

. हत्यका संक्षिप्त इतिहास, परिचय विषय-प्रवेगर अरवी कवियोंकी उत्कृष्ट रचनाओंका अनोखा संग्रह ।

See Don't like I was a see of the last of

अयित बाबू महेराप्रसाद साधु, मौलवा आलिम और फाजिल। (काशी हिन्दू-विश्वविद्यालयके अध्यापक।)

प्रकाशक-

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई

आषाद, १९७८ वि०। ज्ञुह्याई, १९२१ ई०।

प्रथमावृत्ति ]

मत्य १।)

जिल्दसहितका १॥)